Eklavya University
Damoh (M.P.)

Bachelor of Arts

(B.A. Semester – I&II)

Economics

Curriculum

(2023-2024)

Bachelor of Arts - B.A. Economics Semester I&II

VISION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

एकलव्य विश्वविद्यालय सीखने के माध्यम से जीवन और समाज के उन्नयन हेतु संकल्पित है।

MISSION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

- मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा आदर्श जीवन, आजीविका और उद्योग को पोषित करना।
- अनुसंधान और विषय के गूढ़ ज्ञान हेतु शिक्षा को व्यावहारिक बनाना।
- सामाजिक एवं तकनीकी कौशल के माध्यम से छात्रों को रोजगार हेतु तैयार करना।
- पारंपरिक गुरुकुल प्रणाली में निहित ज्ञान की समग्र शिक्षा प्रदान कर छात्रों को उन्नत जीवन एवं रोजगार के लिए तैयार करना।
- अनुसंधान और रचनात्मक परीक्षण के माध्यम से ज्ञान का प्रचार–प्रसार करना।
- शिक्षा; अनुसंधान और नवाचारों में उत्कृष्टता एवं प्रबंधन के लिए प्रतिबद्धता के साथ शिक्षा को प्रत्येक व्यक्ति की पहुँच में लाना।
- छात्रों में व्यवहारिक एवं नैतिक शिक्षा के माध्यम से समस्या समाधान कौशल, सामुदायिक नेतृत्व कौशल एवं सामूहिक सामाजिक सेवा कार्य के लिए प्रतिबद्ध करना।
- समान अवसर एवं रोजगार को दृष्टि में रखकर छात्रों को आर्थिक सशक्तीकरण की ओर अग्रसर करना।
- शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के माध्यम से व्यक्ति की जीवन शैली और पद्धति को समुन्नत करना।

VISION STATEMENT OF DEPARTMENT

- **शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता के द्वारा मानव जीवन को उन्नत करने हेतु समर्पित।**

MISSION STATEMENT OF DEPARTMENT

- अर्थशास्त्र की शिक्षा में उत्कृष्टता एवं विविधता में वृद्धि करना।
- अर्थशास्त्र के व्यावहारिक व सैद्धांतिक ज्ञान को सभी के लिए सुलभ कराना।
- अर्थशास्त्र को समयानुकूलन के साथ प्रासंगिक बनाना।

PROGRAMME EDUCATIONAL OBJECTIVES

(PEOs)

- अर्थशास्त्र में स्नातक (बी.ए.) के उपरान्त छात्रों को शोध के लिए अवसर प्राप्त होंगे।
- अर्थशास्त्र के विशिष्ट ज्ञान से महत्वपूर्ण एवं तुलनात्मक शोध को प्रोत्साहन मिलेगा।
- अर्थशास्त्र में किया गया अध्ययन एवं स्वयं के द्वारा किये गए शोध – अन्वेषण से स्वयं के बौद्धिक स्तर को राष्ट्रीय – अंतर्राष्ट्रीय और सामाजिक – आध्यात्मिक पटल पर स्थापित कर सकेगा।

PROGRAMME OUTCOMES (POs)

- अर्थशास्त्र में स्नातक (बी.ए.) अध्ययन से छात्रों में व्यवसाय के क्षेत्र में विशिष्ट ज्ञान अर्जित कर सामाजिक एवं मानव समस्याओं के समाधान करने हेतु संवेदनशीलता तथा समझ विकसित होगी।
- अर्थशास्त्र में स्नातक होने से छात्रों में सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक और उनसे संबंधित विषयों की सोच विकसित एवं पल्लवित होगी।
- यह कार्यक्रम छात्रों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने एवं शोध कार्य करने के लिए प्रेरणा प्रदान करेगा।
- अर्थशास्त्र में स्नातक करने के उपरान्त छात्र एम.ए., एम.फिल, पी–एच.डी. आदि उपाधियां प्राप्त कर उस ज्ञान से विशिष्ट मुद्दों का समाधान एवं नवाचार कर सकेगें।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs)

- अर्थशास्त्र का पर्याप्त ज्ञान अर्जित करना।
- अर्थशास्त्र से अर्थव्यवस्था का विश्लेषण करने में मदद मिलेगी।
- अर्थशास्त्र में आर्थिक नियोजन के माध्यम से विकास संभव है।
- अर्थशास्त्र में सम्भाषण कौशल, ग्रन्थ संपादन कौशल, लेखन–वाचन–श्रवण आदि विधाओं में पारंगत होना।

Course code	Vyasti Economics (Paper –1)/Major/Minor	L	T	P	C
	व्यष्टि अर्थशास्त्र (प्रश्न पत्र – 1)/मेजर/माईनर				06
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
	90 Hours	60			

Semester – I

Level - 05

Course Objectives: (CO)

1. विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
2. छात्र के दैनिक जीवन में अर्थशास्त्र का व्यावहारिक ज्ञान होगा।
3. विषय छात्रों की शब्दावली और वैज्ञानिक स्वभाव को संबद्ध करने में योगदान देगा।
4. इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र विषय से संबंधित रोजगार के अवसरों की जानकारी मिलेगी।

Course Learning Outcome: (CLO)

1. अर्थशास्त्र की विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. विद्यार्थी व्यष्टि अर्थशास्त्र के तर्कसंगत व्यवहार और बुनियादी अवधारणाओं को समझने में सक्षम होगें।
3. व्यष्टि अर्थशास्त्र सीखना वास्तविक दुनिया में हमें प्रभावित करने वाले कई कारकों की समझ हासिल करने में मदद करेगा।
4. अर्थशास्त्र के सिद्धांतों से जीवन स्तर वृद्धि में मदद होगी।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. अर्थशास्त्र से कला एवं सम्भाषण कौशल का विकास होगा।
2. छात्रों में कौशल एवं अनुकूलन की सोच विकसित होगी।
3. अर्थशास्त्र से उपभोक्ता और उत्पादकों के व्यवहार को समझने में आसानी होगी।
4. अर्थशास्त्र से फर्म और उद्योगो का उत्पादन निर्धारित करने में मदद मिलेगी।

Unit – 1 अर्थशास्त्र का परिचय — **15**

1. अर्थशास्त्र की परिभाषा, क्षेत्र एवं प्रकृति
2. अर्थशास्त्र का सामाजिक विज्ञान के अन्य विषयों से संबंध
3. वास्तविक एवं आदर्शात्मक अर्थशास्त्र
4. आर्थिक विश्लेषण की पद्धतियां– आगमन एवं निगमन विधि
5. मूल अवधारणाएं– वस्तु, कीमत, मूल्य, विवेकशील व्यवहार, आर्थिक नियम, आवश्यकता एवं चयन
6. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएं – उत्पादन संभावना वक्र

Introduction of Economics

1- Definition, Scope and Nature of Economics
2- Relation of Economics to other disciplines of social sciences
3- Real and Normative Economics
4- Methods of Economic Analysis - Method of Incorporation and Incorporation
5- Basic Concepts - Commodities, Price, Price, Prudent Behavior, Economic Rules, Necessity and Selection
6- Central Problems of Economy - Production Prospect Curve

Unit – 2 उपभोक्ता का व्यवहार — **15**

1. गणनावाचक दृष्टिकोण – उपयोगिता, सीमांत व कुल उपयोगिता
2. सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम

3. समसीमांत उपयोगिता नियम, उपभोक्ता की बचत 4. क्रमवाचक दृष्टिकोण– तटस्थता वक्र विश्लेषण अर्थ व विशेषताएं, उपभोक्ता का संतुलन 5. व्यवहारवादी दृष्टिकोण– प्रकट अधिमान सिद्धांत 6. मांग का नियम एवं उसके अपवाद – गिफिन वस्तुएं 7. मांग की लोच – कीमत, आय व आड़ी लोच।	
Consumer Behavior 1- Computative approach - utility, marginal and total utility 2- Marginal utility rules 3- Marginal utility rules, savings of the consumer 4- Sequential approach - neutrality curve analysis meaning and characteristics, consumer balance 5- Behaviorist Approach - Revealed Preference Theory 6- Law of demand and exceptions thereof - Giffin Goods 7- Elasticity of demand - price, income and horizontal elasticity.	
Unit – 3 उत्पादन	**15**
1. पूर्ति का नियम एवं पूर्ति की लोच 2. उत्पादन फलन 3. परिवर्तनशील अनुपातों के नियम 4. पैमाने के प्रतिफल 5. समोत्पाद वक्र – अर्थ व विशेषताएं 6. उत्पादन का संतुलन 7. पैमाने की बचते 8. आगम एवं लागत की अवधारणाएं – कुल, औसत व सीमांत	
Production 1- Rules of supply and elasticity of supply 2- Production function 3- Rules of variable ratios 4- Returns of scale 5- Product Curve - Meaning and Characteristics 6- Balance of production 7- Save scale 8- Concepts of Revenue and Cost - Total, Average and Marginal	
Unit – 4 बाजार एवं मूल्य निर्धारण	**15**
1. बाजार का अर्थ एवं वर्गीकरण 2. पूर्ण प्रतियोगिता अर्थ एवं विशेषताएं 3. पूर्ण प्रतियोगिता एवं शुद्ध प्रतियोगिता 4. पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत एवं उत्पादन का निर्धारण 5. एकाधिकार में कीमत व उत्पादन का निर्धारण 6. एकाधिकार में कीमत विभेद 7. एकाधिकृत प्रतियोगिता	
Market & Pricing 1- Meaning and classification of market	

2- Full competition meaning and features 3- Perfect competition and pure competition 4- Determination of price and production in perfect competition 5- Determination of price and production in monopoly 6- Price differential in monopoly 7- Multiple competition	
Unit – 5 साधन कीमत निर्धारण के सिद्धांत	**15**
1. वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त 2. वितरण के सिद्धांत क. लगान ख. मजदूरी ग. ब्याज घ. लाभ 3. कल्याणवादी अर्थशास्त्र की अवधारणा।	
Principles of Instrument Pricing 1- Marginal productivity theory of distribution 2- Principles of distribution A. Lagaan B. Wages C. Interest D. Benefits 3- Concept of welfare economics.	

सार बिंदु (की वर्ड) / टैगः वास्तविक अर्थशास्त्र, आदर्शात्मक अर्थशास्त्र, आगमन–निगमन विधि, उपभोक्ता व्यवहार, उत्पादन फलन, पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार, एकाधिकृत प्रतियोगिता, सीमांत उत्पादकता।
 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures
Text Book(s) / Reference Books
1. आहुजा एच.एल–सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धान्त, एस चांद एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली नवीनतम संस्करण.। 2. बरला सी.एस. – सूक्ष्म अर्थशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर नवीनतम संस्करण। 3. झिंगन एम.एल.– व्यष्टि अर्थशास्त्र – वृन्दा पब्लिकेशन नई दिल्ली। 4. मिश्रा एस.के. एवं पुरी.वी.के. 2001 उच्चतर व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण, हिमालया पब्लिशिंग हाउस मुंबई। 5. सेठ एम.एल. – व्यष्टि अर्थशास्त्र। 6. पंत जे.सी. एवं मिश्रा जे.पी., सूक्ष्म अर्थशास्त्र, साहित्यभवन पब्लिकेशन, आगरा 7. सिन्हा वी.सी.एवं सिन्हा पुष्पा, व्यष्टि अर्थशास्त्र, S.B.P.D. पब्लिकेशन, आगरा 8. व्यष्टि अर्थशास्त्र डॉ. अग्रवाल एवं रंजन एस.बी.पी.डी.पब्लिकेशल, आगरा 9. Sinha V.C. and Srivastav Ritu, (2021) S.B.P.D. पब्लिकेशन, आगरा

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ: लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्याकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण अधिकतम अकः 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 40

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंकः 60

आंतरिक मूल्यांकनः सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : 40	क्लास टेस्ट असाइमेंट / क्विज / सेमीनार /प्रस्तुतीकरण / (प्रेजेंटेशन)	20 20 कुल अंकः 40	
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): पांच अति लघु प्रश्न अनुभाग(ब): पांच लघु प्रश्न अनुभाग(स): चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	01 X 05 = 05 03 X 05 = 15 10 X 04 = 40 कुल अंक 60	
कोई टिप्पणी / सुझाव :			

Course code	Bhartiya Economics Paper- II/Major/Minor	L	T	P	C
	भारतीय अर्थव्यवस्था (प्रश्न पत्र 2) / मेजर / माईनर				06
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
	90 Hours	60			

Semester – II

Level - 05

Course Objectives: (CO)

- विषय की व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में अर्थशास्त्र विषय के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- विषय में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।
- अध्ययन विषय के रूप में अर्थशास्त्र की आधारभूत अवधारणाओं का ज्ञान प्राप्त करना।

Course Learning Outcome: (CLO)

- अर्थशास्त्र की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- अर्थशास्त्र दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में विषय कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- विषय के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तृत अध्ययन कर अपने विश्लेषणात्मक कौशल में अभिवृद्धि करने में सक्षम होगें।
- भारत में कृषि, उद्योग, विदेशी व्यापार, आर्थिक नियोजन और विभिन्न आर्थिक समस्याओं में संबंधित मुद्दो से परिचित होंने में मदद मिलेगी।

Unit – 1 परिचय — **15**

1. भारतीय अर्थव्यवस्था का संक्षिप्त परिचय एवं अवधारणाएं
2. भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ
3. राष्ट्रीय आय की क्षेत्रीय संरचना एवं प्रवृत्ति
4. श्रमशक्ति का क्षेत्रीय विरतण
5. प्राकृतिक संसाधन सम्पदा – भूमि, जल, पशुधन, वन, खनिज
6. जनांकिकीय विशेषताएँ – जनसंख्या की संरचना, आकार एवं वृद्धि दर
7. जनाधिक्य की समस्या एवं जनसंख्या नीति

Inroduction

1- Brief Introduction and Concepts of Indian Economy
2- Characteristics of Indian Economy
3- Regional structure and trend of national income
4- Regional distribution of manpower
5- Natural Resource Resources - Land, Water, Livestock, Forests, Minerals
6- Demographic characteristics - Structure, size and growth rate of population
7- Problem of population and population policy

Unit – 2 कृषि — **15**

1. भारतीय कृषि की प्रवृत्ति, महत्व व विशेषताएँ
2. भारत की प्राचीन कृषि पद्धतियों का सामान्य परिचय एवं विशेषताएं

3. भू उपयोग पद्धति एवं भू–सुधार
4. कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता की प्रवृत्तियां
5. हरित क्रांति– उद्देश्य, सफलताएं एवं विफलताएं
6. कृषि वित्त एवं बीमा
7. कृषि विपणन
8. कृषि में नवीन तकनीक

Agriculture

1- Trends, Importance and Characteristics of Indian Agriculture
2- General introduction and features of ancient agricultural practices of India
3- Land use pattern and land reforms
4- Trends in agricultural production and productivity
5- Green Revolution - Objectives, Successes and Failures
6- Agricultural Finance and Insurance
7- Agricultural Marketing
8- New Technology in Agriculture

Unit – 3 उद्योग एवं आधारभूत संरचना **15**

1. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत का औद्योगिक विकास
2. नई औद्योगिक नीति 1991
3. औद्योगिकरण में सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की भूमिका
4. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रम (MSME) – परिभाषा, विशेषताएँ एवं इनकी भूमिका
5. लघु एवं कुटीर उद्योगो की समस्याएं एवं समाधान
6. स्टार्टअप इण्डिया, मेक इन इण्डिया एवं आत्मनिर्भर भारत
7. आधारभूत संरचना – ऊर्जा, परिवहन एवं संचार
8. संचार के साधन और उद्योग
9. औद्योगिक नीतियों की साक्षरता

Industry & Infrastructure

1- Industrial development of India after independence
2- New Industrial Policy 1991
3- Role of public and private sector in industrialization
4- Micro, Small and Medium Enterprises (DADAM) - Definition, Characteristics and Their Role
5- Problems and solutions of small and cottage industries
6- Startup India, Make in India and Self-reliant India
7- Infrastructure - Energy, Transport and Communication
8- Means of communication and industry
9- Literacy of Industrial Policies

Unit – 4 विदेशी व्यापार एवं विकास **15**

1. भारत का विदेशी व्यापार–महत्व, दशा व दिशा
2. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश व बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका
3. भारत में विनिवेश
4. भारतीय नियोजन – उद्देश्य, सफलताएं एवं विफलताएं
5. नीति आयोग

6. भारतीय आर्थिक समस्याएं– गरीबी, बेरोजगारी एवं क्षेत्रीय विषमताएं 7. भारतीय औद्योगिक विदेश नीतियां, लाभ	
Foreign Trade & Development 1- India's foreign trade - importance, status and direction 2- Role of Foreign Direct Investment and Multinational Corporations 3- Disinvestment in India 4- Indian Planning - Objectives, Successes and Failures 5- NITI Aayog 6- Indian Economic Problems - Poverty, Unemployment and Regional Disparities 7- Indian Industrial Foreign Policies, Benefits	**15**
Unit – 5 मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था 1. मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएं 2. मध्यप्रदेश के प्राकृतिक संसाधन – भूमि, जल, वन, खनिज 3. मध्यप्रदेश में कृषि की क्षेत्रीय विषमताएं एवं प्रवृत्तियॉं 4. मध्यप्रदेश में जैविक खेती एवं पॉलीघर 5. मध्यप्रदेश की औद्योगिक विकास यात्रा 6. मध्यप्रदेश में आधारभूत संरचना का विकास –ऊर्जा, परिवहन एवं संचार 7. मध्यप्रदेश में पर्यटन विकास और अर्थव्यवस्था 8. मध्यप्रदेश में रोजगार मूलक योजनाएं	
Economy of Madhya Pradesh 1- Salient features of Madhya Pradesh's economy 2- Natural resources of Madhya Pradesh - Land, Water, Forests, Minerals 3- Regional disparities and trends of agriculture in Madhya Pradesh 4- Organic farming and polyhouse in Madhya Pradesh 5- Industrial Development Journey of Madhya Pradesh 6- Development of infrastructure in Madhya Pradesh - Energy, Transport and Communication 7- Tourism Development and Economy in Madhya Pradesh 8- Employment oriented schemes in Madhya Pradesh	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
सार बिंदु (की वर्ड)/टैगः क्षेत्रीय संरचना, भारत के मानवीय संसाधन, भारतीय कृषि, औद्योगीकरण, आधारभूत संरचना, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, क्षेत्रीय विशमताएं, जैविक खेती और औद्योगिक विकास।		
Text Book(s) / Reference Books		

1. मिश्रा एवं पुरी – भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
2. रूद्रदत्त एवं सुन्दरम – भारतीय अर्थव्यवस्था, एस.चान्द एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।
3. रूद्रदत्त – विकास, गरीब एवं समता, दीप एंड दीप पब्लिकेशन प्रा.लि., नई दिल्ली।
4. जे.पी. मिश्रा – भारतीय अर्थव्यवस्था, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा।
5. मध्यप्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण 2020–21 आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय भोपाल मध्यप्रदेश।
6. अर्थशास्त्र (सम्पूर्ण) डॉ. अग्रवाल एवं रंजन एस.बी.पी.डी. पब्लिशिंग आगरा।
7. Panagariya, Arvind. (2020)- India Unlimited: Reclaiming the Lost Glory, Harper Collins Publishers India
8. Hariharan, N.P. (2008) – Lights and shades of Indian Economy, Vishal Publishing Co., Jalandhar.
9. Uma Kapila (20th Edition) (2009) – Indian Economy since Independence, Academic Foundation, New Delhi.
10. Reserve Bank of India – Annual Reports.
11. Annual Economic Survery, Government of India (Latest).
12. Brahmananda, P.R. and V.R. Panchmukhi (Eds.) (1987) – The Development Process of the Indian Economy, Himalaya Publishing House, Bombay.
13. Government of India, Planning commission, 12th five year Plan, New Delhi

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधिया

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँः लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण, अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 40

विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): 40	क्लास टेस्ट असाइमेंट / क्विज / सेमीनार / प्रस्तुतीकरण / (प्रेजेंटेशन)	20 20 कुल अंक 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): पांच अति लघु प्रश्न अनुभाग(ब): पांच लघु प्रश्न अनुभाग(स): चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	01 X 05 = 05 03 X 05 = 15 10 X 04 = 40 कुल अंक 60
कोई टिप्पणी / सुझाव		